प्रारम्भिक संबोधन

माननीय सदस्यगण,

बसंत ऋतु की बेला में चतुर्दश बिहार विधान सभा के चतुर्दश सत्र का शुभारम्भ करते हुए मैं आप सबों का हार्दिक स्वागत एवं अभिनन्दन करता हूं ।

यह सत्र वर्त्तमान कार्यक्रमानुसार दिनांक ३१ मार्च, २०१० तक निर्धारत है, जिसमें कुल २५ बैठकें होंगी । वर्त्तमान सत्र में महामहिम राज्यपाल के अभिभाषण पर चार दिनों तक वाद-विवाद के अतिरिक्त १२ दिनों तक विभिन्न विभागों के अनुदानों की मांगों पर विमर्श का समय निर्धारित है, जिस पर माननीय सदस्यगण विस्तार से अपना विचार प्रकट कर सकते हैं । पूर्व की भांति प्रश्नकाल को दूरदर्शन द्वारा प्रसारित करने का कार्यक्रम है, जिससे राज्य के अवाम विधान सभा के अतिमहत्वपूर्ण गतिविधियों के साथ हम सभी की भूमिकाओं से सीधे रू-ब-रू हो सकेंगे । मैं आशा करता हूं कि सत्र के दौरान बिहार के आर्थिक,सामाजिक एवं राजनैतिक समतामूलक समाज के निर्माण में आपका बहुमूल्य सुझाव संसदीय लोकतंत्र को मजबूत करेगा ।

वर्त्तमान सत्र में भी पूर्व की भांति विभिन्न जिलों के राजकीय एवं राजकीयकृत उच्च विद्यालयों के छात्र-छात्राओं को प्रत्येक दिन प्रथम पाली की कार्यवाही देखने हेतु आमंत्रित किया जा रहा है, जिससे संसदीय एवं विधायी प्रक्रियाओं की जानकारी हमारे भावी पीढ़ी को प्रत्यक्ष रूप से हो सकेंगी ।

मुझे आशा एवं पूर्ण विश्वास है कि सदन के सफल कार्य संचालन में आप सबों का सार्थक सहयोग प्राप्त होगा ।